Date: 2/11/21

* Ch-10: एक फूल की चाह

* सारांश :-

→ "एक फूल की इच्छा" गुप्त जी की एक लंबी और प्रसिद्ध कविता है। प्रस्तुत पाठ उसी कविता का एक छोटा सा अंश है। यह पूरी कविता अस्पृश्यता की समस्या पर केंद्रित है। मौत के करीब आ गई एक 'अछूत' लड़की के मन में इच्छा पैदा हुई। देवी के चरणों में चढ़ा हुआ फूल किसी ने दिया होगा। लड़की के पिता ने बेटी की इस इच्छा को पूरा करने का संकल्प लिया। वह देवी के मंदिर पहुंचे। देवी की पूजा भी की, लेकिन उसके बाद उन्होंने देवी के भक्तों की आंखों में

दस्तक देना शुरु कर दिया। मनुष्य को समान मानने वाली देवी के उच्च जाति के भक्त उस मजबूर, असहाय, महत्वाकांक्षी लेकिन 'अछूत' पिता के साथ कैसे व्यवहार कर सकते थे और क्या वह अपनी बेटी को फूल दे सकते थे? यह हम इस कविता के माध्यम से जानेंगे।

Scanned with CamScanner